TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

31 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

किसी व्यक्ति के विचार ही सबकुछ है। वह जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है।

महात्मा गांधी

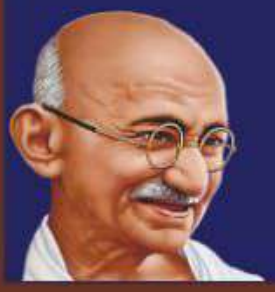

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

31 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सत्य का मार्ग ही जीवन की सफलता का मार्ग है।

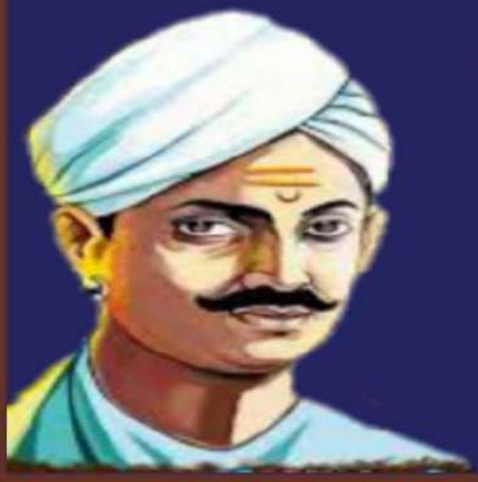

- मंगल पांडेय

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

31 जनवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार 31 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"खुश होकर काम किया तो खुशी और सफलता दोनों मिलेगी।"

DIWAS GYAN

आज के दिन

1561– मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक बैरम खां की गुजरात के पाटण में हत्या कर दी गई।

1893– कोकाकोला टडमार्क का अमेरिका में पहली बार पेटेंट कराया गया। इसे दुनिया के सबसे महंगे टडमार्क में गिना जाता है।

1915– प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने रूस के खिलाफ जहरीली गैस का इस्तेमाल किया।

1958– अमेरिका ने 'एक्सप्लोरर–1' नामक अंतरिक्ष प्रक्षेपित किया। इसके द्वारा पृथ्वी के ऊपर विद्यमान चुम्बकीय क्षेत्र एवं पृथ्वी पर उसके प्रभावों का अध्ययन किया गया।

1961– अमेरिका ने जीवित प्राणियों का अध्ययन करने के लिए एक चियांगी को अंतरिक्ष में भेजा।

1. **श्री कृष्ण सिंह स्मृति दिवस**– 31 जनवरी, 1961 ई. को 'बिहार केसरी' श्री कृष्ण सिंह का निधन हुआ था। वे बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री (1946–1961) और महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्हें 'आधुनिक बिहार के निर्माता' भी कहा जाता है।

   कृष्ण सिंह का जन्म 21 अक्टूबर, 1887, मुंगेर जिला के बरबीघा थाना अंतर्गत माउर गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम हरिहर सिंह था। इन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से एम.ए. और कानून की डिग्री ली। कुछ समय तक बी.एन. कॉलेज पटना में इतिहास विभाग में व्याख्याता के रूप में कार्य करने के पश्चात मुंगेर में वकालत करने लगे। किंतु गाँधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन आरंभ करने पर इन्होंने वकालत छोड़ दी और शेष जीवन सार्वजानिक कार्यों में ही लगाया। साइमन कमीशन के बहिष्कार और नमक सत्याग्रह में भाग लेने पर ये गिरफ्तार भी किए गए।

   उनके मुख्यमंत्रीत्व काल में आजाद भारत की पहली रिफाइनरी– बरौनी ऑयल रिफाइनरी, आजाद भारत का प्रथम खाद कारखाना–सिन्दरी व बरौनी रासायनिक कारखाना, पुसा कृषि विश्वविद्यालय, प्रथम रेल सह सड़क पुल–राजेन्द्र पुल आदि की स्थापना की गई। बिहार, भारत का पहला राज्य था, जहाँ सबसे पहले उनके नेतृत्व में जमींदारी प्रथा का उन्मूलन उनके मुख्यमंत्रीत्वकाल में हुआ।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को श्री कृष्ण सिंह के बारे में बतायें।

2. **नौरू एक स्वाधीन गणतंत्र बना**– नौरू ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में स्थित एक एक छोटा अंडाकार प्रवाल द्वीप है जिसका क्षेत्रफल मात्र 21.3 वर्ग किलोमीटर है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने नौरू पर कब्जा कर लिया। यहाँ के नागरिकों को जर्मनी द्वारा बंधुआ मजदूर बना लिया गया। सितम्बर, 1945 में ऑस्ट्रेलिया ने इस द्वीप पर पुनः कब्जा कर लिया। 31 जनवरी, 1946 ई. को सभी मजदूर रिहा किये गये। अक्टूबर, 1967 में नौरू की स्वतंत्रता की घोषणा की गई। 31 जनवरी, 1968 को 22वें रिहाई दिवस की स्मृति में नौरू एक स्वाधीन गणतंत्र बना। इसकी राजधानी यारेन है। यह मध्य प्रशांत महासागर में स्थित है। यहाँ फास्फेट के प्रचुर भंडार है। फास्फेट का यहाँ से बड़े पैमाने पर निर्यात होता है। नारियल तथा सब्जियों की खेती होती है।

3. **अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस**– प्रतिवर्ष 31 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस मनाते हैं। जिससे जंगली जानवरों की सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक बना सकें। सड़क को क्रॉस करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग (Zebra Crossing) का आइडिया इसी जीव से लिया गया है। इसीलिए इस जीव के साथ–साथ अन्य जीवों की सुरक्षा के लिए भी अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस (International Zebra Day) का आयोजन किया जाता है।

   हालाँकि जेब्रा विलुप्त होने की श्रेणी में नहीं है, लेकिन युनाइटेड नेशंस ने इसे वर्ष 2016 में 'संकट निकट' (Near Threatened या NT) की श्रेणी में रखा है।

   जेब्रा, अफ्रीका का एक प्रमुख जीव है। काली और सफेद रंग की पट्टियाँ इसे बहुत ही आकर्षक बनाती है। एक आश्चर्यजनक बात यह है कि, सभी जेब्रा के शरीर की काली और सफेद पट्टियाँ आपस में नही मिलती है। जिस प्रकार हमारे हाथों के निशान किसी दूसरों से नहीं मिलते हैं, ठीक उसी प्रकार एक जेब्रा की पट्टियाँ, दूसरे जेब्रा से अलग होती हैं।

   जेब्रा का वैज्ञानिक नाम 'हिप्पोटिगरिस' (*Hippotigris*) है। जेब्रा मुख्य रूप से घोड़े के कुल से सम्बन्ध रखता है, जिस कारण यह घोड़े और गधे से मिलता जुलता है परन्तु उन दोनों से भिन्न है। घोड़ों और गधों को पालतू बनाया जा सकता है जबकि जेब्रा को आज तक पालतू नहीं बनाया जा सका है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह कठिन हालातों में बेकाबू हो जाता है।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

31 जनवरी

मधु प्रिया

श्री कृष्ण सिंह स्मृति दिवस 31 जनवरी

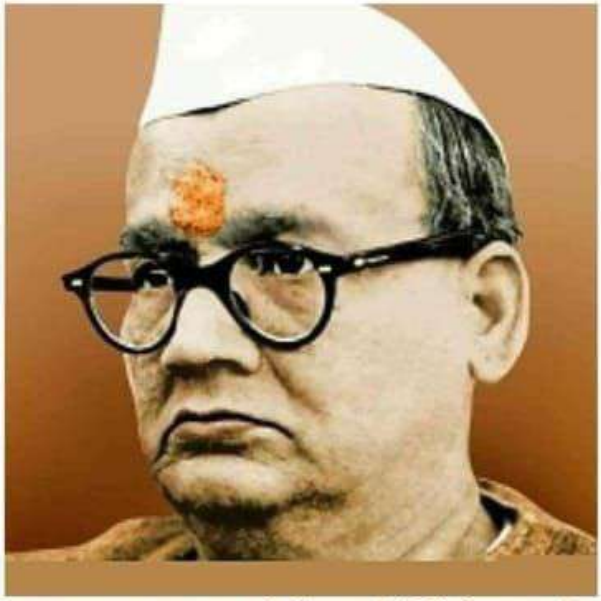

श्री कृष्ण सिंह का जन्म 21 अक्टूबर 1887 को बंगाल प्रेसीडेंसी (अब शेखपुरा जिले का हिस्सा) के मुंगेर जिले के मौर, बरबीघा गाँव में एक भूमिहार परिवार में हुआ था। उनकी माँ, जो एक सरल और धार्मिक विचारों वाली व्यक्ति थीं, जब वे पाँच वर्ष के थे,तब प्लेग से उनकी मृत्यु हो गई। उनकी शिक्षा गांव के स्कूल और मुंगेर के जिला स्कूल में हुई। 1906 में उन्होंने पटना कॉलेज में प्रवेश लिया , जो उस समय कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध था। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और फिर पटना विश्वविद्यालय से कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और 1915 से मुंगेर में अभ्यास करना शुरू किया।श्री कृष्ण सिंह जिन्हें श्री बाबू के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय राज्य बिहार के पहले मुख्यमंत्री थे। द्वितीय विश्व युद्ध की अवधि को छोड़कर, ये 1937 में पहली कांग्रेस सरकार के समय से लेकर 1961 में अपनी मृत्यु तक बिहार के मुख्यमंत्री थे। देश रत्न राजेंद्र प्रसाद और बिहार विभूति अनुग्रह नारायण के साथ सिन्हा (एएन सिन्हा), सिन्हा को 'आधुनिक बिहार के वास्तुकारों' में माना जाता है। उन्होंने बैद्यनाथ धाम मंदिर में दलित प्रवेश का भी नेतृत्व किया (वैद्यनाथ मंदिर, देवघर), जो दलितों के उत्थान और सामाजिक सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह जमींदारी प्रथा को समाप्त करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री थे। उन्होंने ब्रिटिश भारत में लगभग आठ वर्षों तक कारावास की विभिन्न शर्तों को भोगा। इनकी जनसभाओं में उन्हें सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती। जब वह जनता को संबोधित करने के लिए उठे तो उनकी शेर जैसी दहाड़ के लिए उन्हें बिहार केसरी के नाम से जाना जाता था। उनके घनिष्ठ मित्र और प्रख्यात गांधीवादी बिहार विभूति एएन सिन्हा ने अपने निबंध मेरे श्री बाबू में लिखा है कि,"1921 से बिहार का इतिहास श्री बाबू के जीवन का इतिहास रहा है"। आधुनिक बिहार के निर्माता बिहार केसरी किब मृत्यु 31 जनवरी 1961 में हुई। डॉ श्री कृष्ण सिंह ने अपने मुख्यमंत्री के शासनकाल में बिहार को विकसित करने के लिए अनेकों कार्य किए और बिहार को भारत देश में एक अलग पहचान बनाई।

जयंती विशेष 31 जनवरी

राकेश कुमार

मेजर सोमनाथ शर्मा *Major Somnath Sharma*, जन्म: 31 जनवरी, 1923; शहादत: 3 नवम्बर, 1947) भारतीय सेना की कुमाऊँ रेजिमेंट की चौथी बटालियन की डेल्टा कंपनी के कंपनी-कमांडर थे जिन्होंने अक्टूबर-नवम्बर, 1947 के भारत-पाक संघर्ष में अपनी वीरता से शत्रु के छक्के छुड़ा दिये। उन्हें भारत सरकार ने मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित किया। परमवीर चक्र पाने वाले ये प्रथम व्यक्ति हैं।

पुण्यतिथि विशेष 31 जनवरी

राकेश कुमार

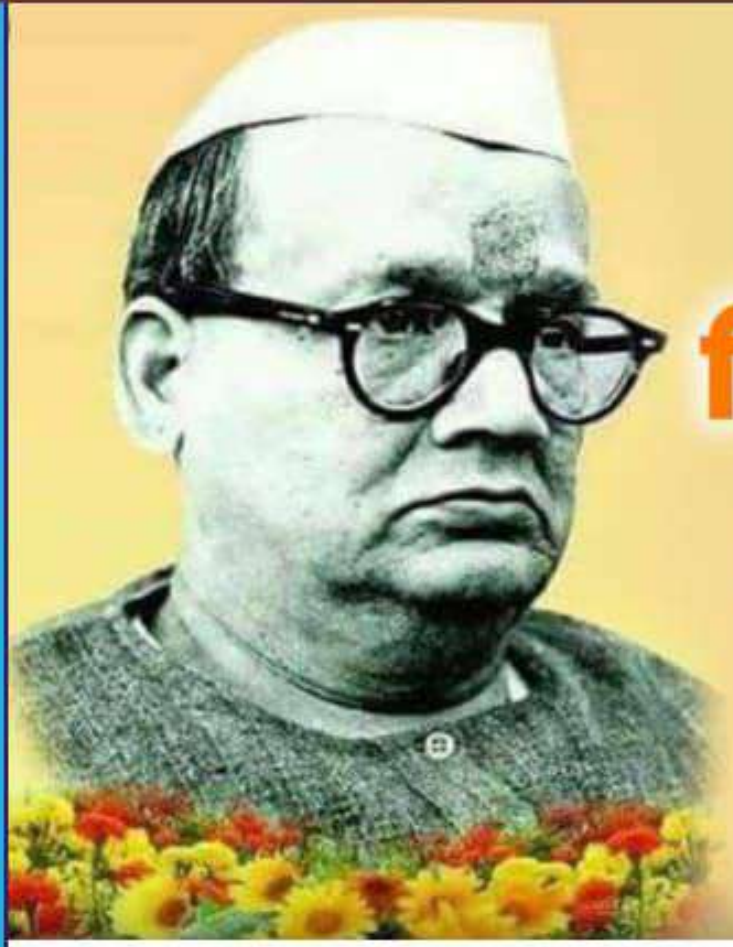

बिहार केसरी श्री कृष्ण सिंह

कृष्ण सिंह *Krishna Singh*, जन्म: 21 अक्टूबर, 1887, मुंगेर ज़िला, बिहार ; मृत्यु: 31 जनवरी, 1961) बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री तथा अधिवक्ता थे। ये 'बिहार केसरी' के नाम से प्रसिद्ध हैं। कृष्ण सिंह 2 जनवरी, 1946 से अपनी मृत्यु तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। बिहार, भारत का पहला राज्य था, जहाँ सबसे पहले उनके नेतृत्व में ज़मींदारी प्रथा का उन्मूलन उनके शासनकाल में हुआ। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद तथा अनुग्रह नारायण सिन्हा के साथ वे भी आधुनिक बिहार के निर्माता के रूप में जाने जाते हैं।

दिवस प्रेरणा 31

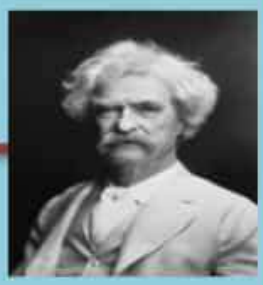

मार्क ट्वेन

(विश्व प्रसिद्ध लेखक)

उसके भाषण सुनने के लिए टिकट लगता था ...

संघर्ष

मार्क ट्वेन का बचपन गरीबी में ही बिता था। बचपन में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहा करती थी। उनकी शिक्षा केवल बारह वर्ष की आयु तक ही हो पायी। धनोपार्जन के लिए घड़ियां बनाने का कारखाना लगाया लेकिन कारखाना साल भर में ही बंद हो गया और बड़ी रकम डूब गयी। कुछ दोस्तों के सलाह पर प्रकाशन संस्था खोला लेकिन घाटे के कारण बंद करना पड़ा। एक मित्र को दस हजार रुपये उधार दिये, जिसने कभी वापस नहीं लौटाया। घोर दरिद्रता में बचपन बिताने के बाद लाखों रुपया कमाया लेकिन साठ वर्ष की आयु के आसपास पहुंचकर वह फिर बुरी तरह कर्जदार हो गया।

सफलता

मार्क ट्वेन ने हार नहीं माना और कर्ज चुकाने के लिए पाँच वर्ष तक जगह–जगह घुम कर भाषण दिये । उनकी खासियत थी कि वे मंच पर अपने हास्य–विनोद और रोचक कहानियों से श्रोताओं का घंटों हँसा और मनोरंजन कर सकते थे। उनकी भाषण सुनने के लिए टिकट लगता था। उनके भाषण के टिकट भी इतने जल्दी बिक जाते थे कि सैकड़ों लोगों को निराश होना पड़ता था। शहर में उनके कार्यक्रम के लिए एक बड़ा हॉल ढुँढना मुश्किल होता था। मार्क ट्वेन ने अपने भाषणों और पुस्तकों से खुब धन कमाया और अन्त में उसका सारा ऋण उतर गया। उन्होंने कुल 23 पुस्तकें लिखीं।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 31.01.2025

अवलोकनात्मक अधिगम

अवलोकनात्मक अधिगम वह अधिगम है जो दूसरों के व्यवहार को देखने से होता है । यह सामाजिक अधिगम का एक रूप है जो विभिन्न प्रक्रियाओं के आधार पर विभिन्न रूप लेता है। मनुष्यों में, इस प्रकार के अधिगम को होने के लिए सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता नहीं होती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

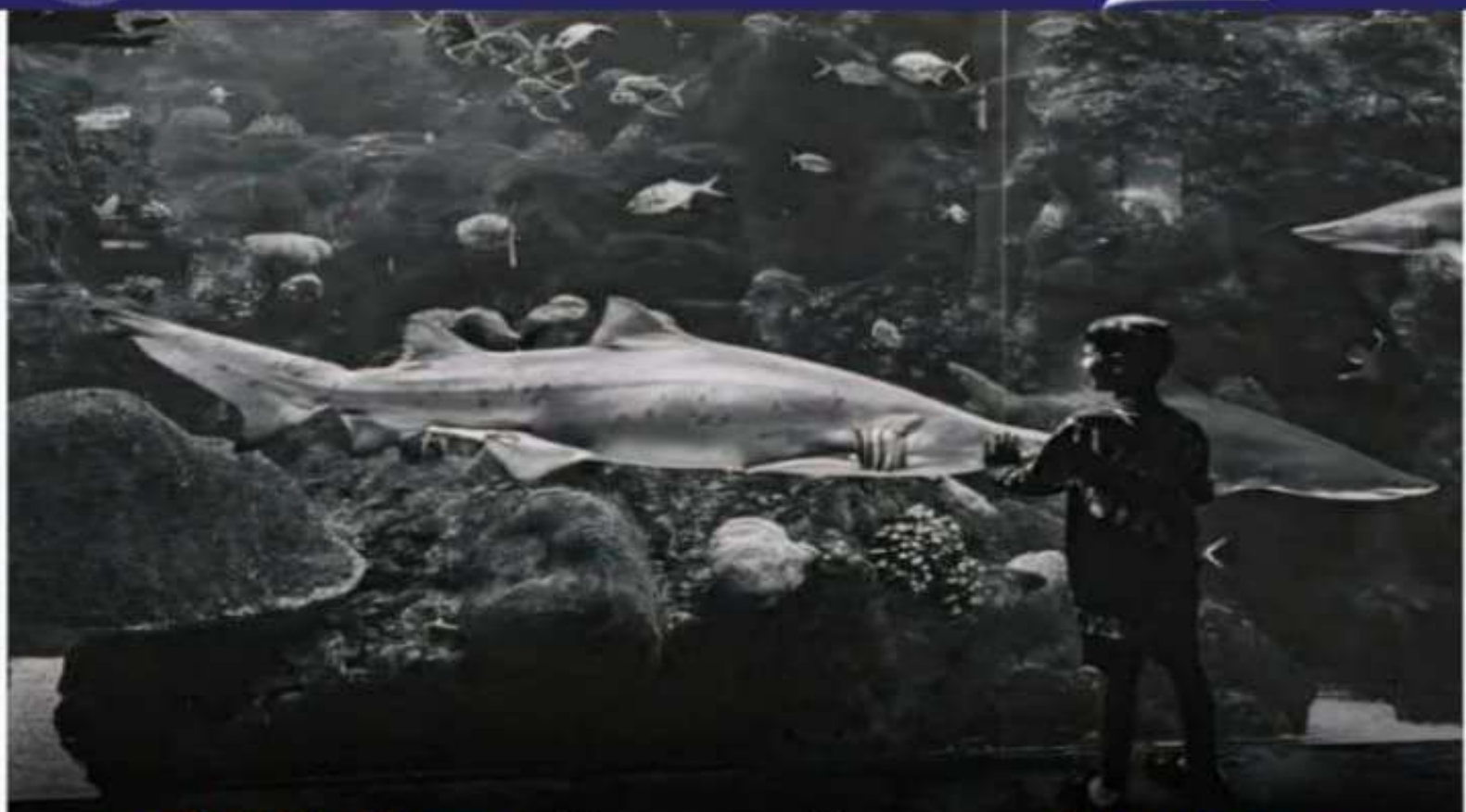

अमेरिकी महिला एरिन ब्रूक्स ने 2024 के iPhone फ़ोटोग्राफ़ी अवार्ड्स में iPhone 15 Pro Max से ली गई अपनी फ़ोटो "बॉय मीट्स शार्क" के लिए ग्रैंड प्राइज़ और फ़ोटोग्राफ़र ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार जीता। यह उपलब्धि स्मार्टफ़ोन फ़ोटोग्राफ़ी की कलात्मक और तकनीकी ऊंचाइयों को दर्शाती है।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

कैल्शियम (Calcium)

संकेत (symbol)- **Ca**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -20

परमाणु भार (A.weight) -40.078

समूह (group)-2

आवर्त (period)-4

ब्लाक (block)-S

संयोजकता (valancy)-2

समस्थानिक (isotope)-5

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ar]4s^2$

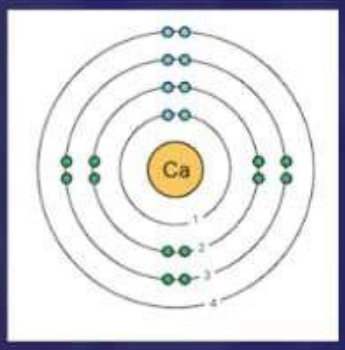

खोज

1808, हम्फ्री डेवी

भौतिक गुण

ग्रे सिल्वर रंग, कठोर, क्षारीय मृदा धातु

रासायनिक गुण

हवा, पानी के साथ प्रतिक्रियाशील,आयन निर्माण

उपयोग

स्टील निर्माण, आटोमोटिव बैटरी, भोजन,दवा आदि

Anu priya

TOB

खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

भारत में हॉकी का इतिहास

भारत में हॉकी विश्वकप का आयोजन हो रहा है। ऐसे में हॉकी को जानने की उत्सुकता सभी में है। इसके अलावा हॉकी वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और एफआईएच प्रो लीग जैसी प्रतियोगिताएं भी खेली जाती है।

ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम

गोल्ड मेडल:

1928, 1932, 1936, 1948, 1952, 1956, 1964, 1980

सिल्वर मेडल:

1960

ब्रांज मेडल:

1968, 1972, 2020, 2024

हॉकी की शुरुआत

- हॉकी का इतिहास काफी पुराना है। जानकारी के मुताबिक यह 16वीं शताब्दी से चला आ रहा है।
- यह 1527 में स्कॉटलैंड में शुरू हुआ था।
- 18वीं और 19वीं सदी आने के साथ ही यह धीरे -धीरे यह लोकप्रिय हुआ। शुरुआत में हॉकी को मनोरंजन के लिए खेला जाता था। बाद में इसमें कई बदलाव किए गए।
- शुरुआती दिनों में अरब और यूनान के देशों में हॉकी को खेला गया। लेकिन ब्रिटिश शासन के विस्तार के साथ ही हॉकी की भी विस्तार हुआ।
- भारत में भी हॉकी को सबसे पहले सेना में शामिल किया गया।

भारत के लिए स्वर्णिम काल

हॉकी के लिहाज से देखें तो 1928 से 1956 का दौर भारत के लिए **स्वर्णिम काल** रहा है। भारत ने हॉकी के क्षेत्र में इतना बढ़िया प्रदर्शन किया कि यह राष्ट्रीय खेल बन गया। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में पहली बार 1928 में कदम रखा। लेकिन भारतीय टीम वहां से स्वर्ण पदक जीतकर लौटी।

भारत में हॉकी

- भारत में हॉकी को ब्रिटिश सेना के रेजिमेंट द्वारा इसे पेश किया गया।
- इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि इसे बाद में खेलों में शामिल किया गया।
- एशिया में सबसे पहले हॉकी भारत में ही खेला गया था। धीरे-धीरे भारत में लोकप्रियता हॉकी की बढ़ती गई।
- भारत में पहला हॉकी क्लब और 1855 में कोलकाता में गठन किया गया था। इसके बाद मुंबई और पंजाब में भी हॉकी क्लब का गठन किया गया।
- ओलंपिक में पहली बार हॉकी को 1908 में शामिल किया गया। शुरुआत के दो एशियाई खेलों में भारत को खेलने का मौका नहीं मिला।

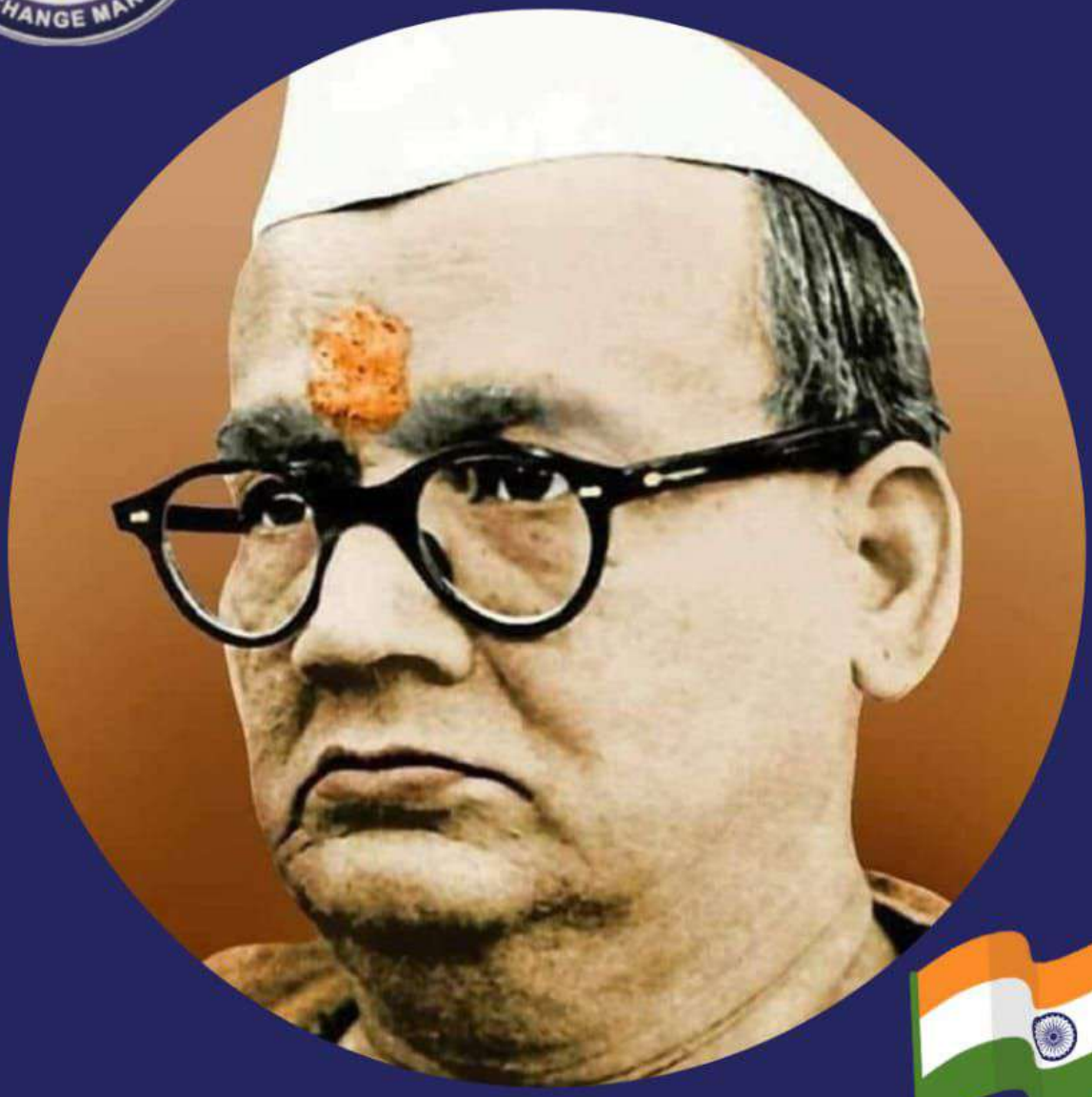

श्रीकृष्ण सिंह

Madhu priya

21 अक्टूबर 1887-31 जनवरी 1961

www.teachersofbihar.org

मेजर सोमनाथ शर्मा

की जयंती पर नमन।

31 जनवरी 1923 - 3 नवंबर 1947

www . teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

31 जनवरी

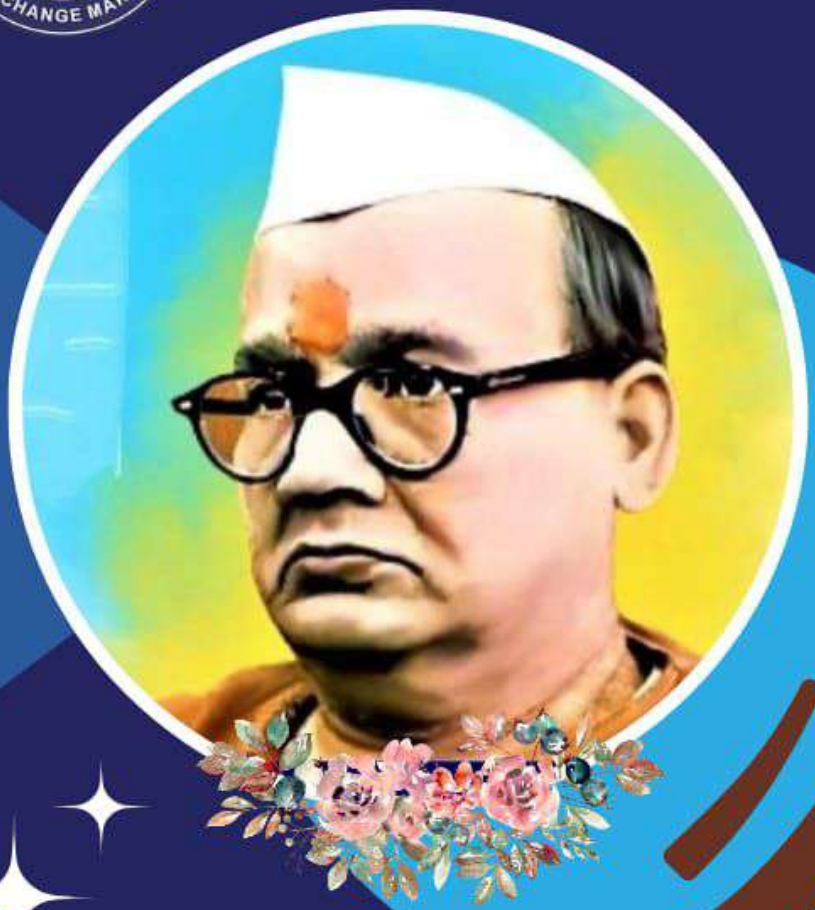

बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री

"बिहार केसरी"

श्रीकृष्ण सिंह

की पुण्यतिथि पर सादर नमन

21 अक्टूबर 1887 - 31 जनवरी 1961

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari